महत्वपूर्ण जानकारी

आवागमन: जगदलपुर- वारंगल राष्ट्रीय राजमार्ग - 63 के द्वारा बस के माध्यम से जगदलपुर से भोपालपट्टनम (व्हाया- बीजापुर) 213 किलोमीटर की यात्रा 6 घंटे में तय होती है। नजदीकी रेलवे स्टेशन: मंचिर्याल (तेलंगाना) लगभग 120 किलोमीटर है।

शोध सारान्शिका सम्बंधित निर्देश (Abstract)

उपर्युक्त विषयों पर अधिकतम 250 शब्दों में सारान्शिका एवं पूर्ण शोध-पत्र आमंत्रित हैं। इच्छुक प्रतिभागी निम्न तिथियों तक सारान्शिका ईमेल के माध्यम से प्रेषित करें।

महत्वपूर्ण तिथियाँ:

शोध-सारान्शिका भेजने की अंतिम तिथि: 28/02/2026, पूर्ण शोध-पत्र भेजने की अंतिम तिथि: 05 मार्च, 2026 (अंतिम तिथि में समायोजन संभव)

ईमेल: gic.iks2026@gmail.com

Website

https://sites.google.com/view/indrawaticollege/home

प्रारूप:

अंग्रेजी: Times New Roman - Size-12

हिन्दी: कोकिला- Size - 16 (MS-WORD)

पंजीकरण शुल्क: Via Google Form

छात्र: ₹ 100

शोधार्थी/अतिथि व्याख्याता: ₹ 300

फैकल्टी: ₹ 500

SCAN HERE

REGISTER NOW

A/C DETAILS AND UPI QR CODE FOR PAYMENT

BANK NAME:
STATE BANK OF INDIA
BRANCH NAME:
BHOPALPATNAM
ACCOUNT NO.:- **20065157265**
ACCOUNT NAME:-
ADITYA LAWRENCE TOPPO
IFSC CODE: **SBIN0002834**

8962761762@ptsbi
SCAN

संरक्षक

प्रो. मनोज कुमार श्रीवास्तव
माननीय कुलपति, शहीद महेंद्र कर्मा वि.वि. बस्तर

प्रो. अनिल कुमार श्रीवास्तव
अपर संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, बस्तर

प्रो. अरुण कुमार दीक्षित
प्राचार्य, शासकीय इन्द्रावती महाविद्यालय भोपालपट्टनम

संयोजक	सह-संयोजक
डॉ. आदित्य लोरेन्स टोप्पो	**श्री इन्द्रजीत महतो**
(सहायक प्राध्यापक, जंतु विज्ञान)	(सहायक प्राध्यापक, रसायन विज्ञान)
8962761762	9454959525

तकनीकी समिति

- **डॉ. सुशीला गावड़े कलमू** (सहायक प्राध्यापिका, अर्थशास्त्र)
- श्री दिलीप कुजूर
- श्री जयानंद सिदार (9340449355)
- श्री सुरेन्द्र संगारथी
- श्री प्रदीप कोरम

सलाहकार समिति:

मुख्य सलाहकार :-धर्मेन्द्र कुमार पाटनवार (सहायक प्राध्यापक, हिंदी)

- डॉ. जयनेन्द्र कुमार
- श्री चंदन कुमार गुप्ता (8090724983)
- श्री प्रशांत कुमार ठाकुर (8809802880)
- सुश्री रीतू पाटले,
- सुश्री प्रीति पटेल

आयोजन समिति:

- श्री पुरुषोत्तम तामड़ी
- सुश्री किरण गोंदी,
- श्री विनोद कुमार अम्बाडे
- डॉ. अभय विक्रम
- श्री प्रदीप कोडोपी
- सुश्री सीमा मोरिया
- श्री सुगन्ध चतुर्वेदी

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारतीय ज्ञान परम्परा
स्वरूप, प्रासंगिकता, पुनरुत्थान

07 मार्च, 2026

(Hybrid Mode)

Sponsored By:-
Rashtriya Ucchatar Shiksha Abhiyan (RUSA).

आयोजक

शासकीय इन्द्रावती महाविद्यालय

भोपालपट्टनम, जिला-बीजापुर (छ.ग.)

सम्बद्ध: शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर

मुख्य वक्ता

डॉ. रामचंद्र गोडबोले एवं श्रीमती सुनीता गोडबोले
(संयुक्त रूप से वर्ष 2026 के पद्मश्री पुरस्कार)
(चिकित्सा क्षेत्र)

डॉ. गोविंद गौरव
असिस्टेंट प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान
सीएमपी डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी

श्रीमती अर्चना झा
सहायक प्राध्यापिका, हिंदी

डॉ.पूनम वासम
कवयित्री जनजातीय संस्कृति

बी राव गोडबोले
जनजातीय औषधीय ज्ञाता

डॉ. नीरज वर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर, जैव प्रौद्योगिकी

डॉ अमित कुमार मन्ना
असिस्टेंट प्रोफेसर, रसायन विज्ञान

यह महाविद्यालय इस दुर्गम क्षेत्र मे उच्च शिक्षा प्रदान करने का एकमात्र केंद्र है। महाविद्यालय में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020' के अनुरूप स्नातक स्तर पर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य की कक्षाएं संचालित होती है। इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर पर राजनीति विज्ञान एवं पीजीडीसीए कोर्स का संचालन भी किया जा रहा है। महाविद्यालय में एक वृहद् एवं व्यवस्थित ग्रंथालय है, जिसमें लगभग 20 हजार से अधिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। महाविद्यालय में स्मार्ट क्लासरूम एवं कम्प्यूटर लैब के साथ-साथ पठन-पाठन के लिए आवश्यक अन्य आधुनिक सुविधाएँ भी उपलब्ध है। इस संस्थान का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता, प्रकृति व संस्कृति का संरक्षण और छात्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना है।

उपविषय (Themes)

- भारतीय ज्ञान परम्परा में वेद और विज्ञान
- भारतीय ज्ञान परम्परा धरोहर एवं भविष्य
- भारतीय ज्ञान परम्परा में साहित्यिक विमर्श
- भारतीय ज्ञान परम्परा में आदिवासी संस्कृति और पर्यावरणीय ज्ञान
- भारतीय ज्ञान परम्परा में अर्थव्यवस्था
- भारतीय ज्ञान परम्परा में सामाजिक विमर्श के मुद्दे एवं चुनौतियाँ
- भारतीय ज्ञान परम्परा में स्त्री विमर्श
- भारतीय ज्ञान परम्परा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति: 2020
- भारतीय ज्ञान परम्परा में अर्थनीति
- भारतीय ज्ञान परम्परा में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन
- भारतीय ज्ञान परम्परा में न्याय दर्शन
- भारतीय ज्ञान परम्परा में राज्य
- भारतीय ज्ञान परम्परा में अंतर्राष्ट्रीय राजनीति
- भारतीय ज्ञान परम्परा में जनजातीय औषधीय ज्ञान
- भारतीय ज्ञान परम्परा के अन्वेषण में AI का अनुप्रयोग
- भारतीय ज्ञान परम्परा में भूगोल
- भारतीय ज्ञान परम्परा में रसायन विज्ञान
- भारतीय ज्ञान परम्परा में खगोल विज्ञान
- भारतीय ज्ञान परम्परा में योग दर्शन

(भारतीय ज्ञान परम्परा से सम्बंधित अन्य उप-विषयों पर भी आलेख स्वीकार किए जाएँगे)

संगोष्ठी का परिचय

भारतीय ज्ञान परम्परा शताब्दियों से विकसित वह चिंतनधारा है, जिसमें विज्ञान, दर्शन, अध्यात्म, कला और जीवन-मूल्यों का अद्वितीय समन्वय दृष्टिगोचर होता है। ज्ञान की यह परम्परा मनुष्य, समाज और प्रकृति के बीच संतुलित सह-अस्तित्व की अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। समकालीन वैश्विक परिदृश्य में भारतीय ज्ञान परम्परा नवाचार, नैतिकता और सतत् विकास की प्रेरक आधारशिला के रूप में पुनः उभर रही है। ऐसे में "भारतीय ज्ञान परंपराः स्वरूप, प्रासंगिकता एवं पुनरुत्थान" विषय पर आयोजित यह एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय बौद्धिक विरासत के विविध आयामों को समकालीन परिप्रेक्ष्य में पुनर्व्याख्यायित करने का एक अकादमिक प्रयास है।

इस संगोष्ठी का उद्देश्य, भारतीय ज्ञान परम्परा में अन्तर्निहित विज्ञान, दर्शन, सामाजिक एवं साहित्यिक विमर्श, जनजातीय और पर्यावरणीय ज्ञान, अर्थव्यवस्था, राज्य की अवधारणा, अंतर्राष्ट्रीय संबंध और खगोलशास्त्र जैसे विविध विषयों की व्यापकता और उनके अंतर्विषयी स्वरूप की बहुआयामी उपयोगिता को रेखांकित करना है। साथ ही साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के अनुप्रयोग द्वारा पारम्परिक ज्ञान के संरक्षण, संवर्धन और नवाचार की संभावनाओं पर भी विस्तृत विचार-विमर्श करते हुए, यह संगोष्ठी मूलतः विद्यार्थियों, शोधार्थियों, शिक्षकों, सामाजिक चिंतकों और नीति निर्माताओं के लिए संवाद, चिंतन और ज्ञान की साझेदारी का एक सशक्त मंच प्रदान करने का प्रयत्न करेगा। इस प्रकार यह संगोष्ठी भारतीय ज्ञान परंपरा की ऐतिहासिकता, निरंतरता, प्रासंगिकता और भविष्य की दशा एवं दिशा निर्धारित करते हुए एक सार्थक संवाद स्थापित करने का प्रयास है।

महाविद्यालय का परिचय

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिला में नैसर्गिक सौन्दर्य से आच्छादित भोपालपट्टनम तहसील में 'शासकीय इन्द्रावती महाविद्यालय भोपालपट्टनम' की स्थापना वर्ष 1988 में की गई थी। यह महाविद्यालय शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय, बस्तर (जगदलपुर) से सम्बद्ध है। महाविद्यालय की भौगोलिक एवं सांस्कृतिक अवस्थिति इसे विशिष्टता प्रदान करती है। यह महाविद्यालय जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर की दूरी पर दंडकारण्य के जनजाति बाहुल्य क्षेत्र में इन्द्रावती नदी के रमणीय तट पर एवं इन्द्रावती टाइगर रिज़र्व की गोद में 18.87° उत्तरीय अक्षांश और 80.36° पूर्वी देशांतर पर अवस्थित है। इन्द्रावती एवं गोदावरी नदी का पावन संगम महाविद्यालय से मात्र 18 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।